आयोजन अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विवि भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में हुई संगोष्ठी

साहित्य अकादेमी ने वाजपेयी जन्मशती संगोष्ठी आयोजित की

वैभव न्यूज ■ नई दिल्ली

साहित्य अकादेमी नई दिल्ली एवं अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में अटल बिहारी वाजपेयी जन्मशती संगोष्ठी का आयोजन पंडित सुंदरलाल शर्मा केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षण संस्थान, श्यामला हिल्स, भोपाल के सभागार में किया गया। शुक्रवार को आयोजित उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता खेमसिंह डहेरिया, कुलगुरु, अटल बिहारी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल ने की। अन्य अतिथियों में विशिष्ट अतिथि के रूप में गोविन्द मिश्र संयोजक, हिंदी परामर्श मंडल, मुख्य अतिथि माधव कौशिक, अध्यक्ष साहित्य अकादेमी स्वागत वक्तव्य के लिए के. निवासराव सचिव, साहित्य अकादेमी एवं धन्यवाद ज्ञापन के लिए शैलेन्द्र कुमार जैन, कुलसचिव, अटल बिहारी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल उपस्थित रहे। अपने स्वागत वक्तव्य में के. श्रीनिवासराव ने कहा कि अटल भारतीय राजनीति में महाजनप्रिय नेता थे।

अटल राजनीति और साहित्य दोनों विधाओं के धनी थे। अटल मानते थे कि व्यक्तित्व का विकास शिक्षा के माध्यम से होता है। शिक्षा का माध्यम मातृभाषा होना चाहिए। विशिष्ट अतिथि गोविन्द मिश्र ने अपने वक्तव्य में सुझाव दिया कि श्रद्धेय अटल बिहारी के नाम पर कोई पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय में शुरू करें जिसमें यह पढ़ाया जाए कि लेखक और राजनीतिज्ञ को अपनी कथनी और करनी में अंतर नहीं रखना चाहिए।

माधव कौशिक ने अटल के व्यक्तित्व में समाहित करूणा की संवेदना को व्यक्त करते हुए कहा कि अटल में समाज के प्रति संवेदनशीलता कूट-कूट कर भरी थी। उनकी संवेदना का स्तर इतना गहरा इसलिए था क्योंकि वे राजनेता होने के साथ-साथ साहित्यकार भी थे। जीवन में करूणा, विनम्रता, संवेदना आदि साहित्य के कारण ही आती है।

खेम सिंह डहेरिया ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी न केवल कुशल राजनीतिज्ञ रहे, बल्कि उनका व्यक्तित्व बहुआयामी रहा है। वाजपेयी ने साहित्य, सामाजिक, राजनीति, संगठन एवं पत्रकारिता में उत्कृष्टता और विशाल हृदय के साथ अपनी भूमिका का निर्वहन किया है।